

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लण्ड 3—हपराण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 78]

नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, मार्च 17, 1977/फाल्गुन 26, 1898

No. 78]]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 17, 1977/PHALGUNA 26, 1898

इस: भाग में भिनन पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 17th March 1977

G.S R 115(E)—In exercise of the powers conferred by the provise to sub-section (1) of section 19 of the Warehousing Corporations Act. 1962 (58 of 1962), the Central Government, after consultation with the Government of Madhya Pradesh, hereby increases the maximum limit of the authorised capital of the Madhya Pradesh State Warehousing Corporation to three crores of rupees, divided into three lacs shares of the face value of one hundred rupees, each.

[No. F 7-20/77-SG.]

R K SHASTRI, Jt Secy

नृषि धौर सिवाई मंत्रालय

(लाद्य विभागः)

प्रादेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1977

सा० का० ति० 115 (म्र) — केन्द्रीय सरकार, भाण्डागारण निगम भ्रिधिनियम, 1962 (1962 का 58) की घारा 19 की उपघारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् मध्य प्रदेश राज्य भाण्डागारण निगम की प्राधिकृत पूंजी की अधिकतम सीमा बढ़ाकर तीन करोड रुपए तक करती है, जो प्रत्येक एक सी रुपए प्रकित मूल्य के तीन लाख भेयर में विभक्त होगी।

[सं० फा० 7-20 77-एस० जी०]

भार० के० शास्त्री सयुक्त सचिव ।